(d) Coal companies are endeavouring to meet the requirements of coal of all consumers in the country including that in Rajasthan and Orissa by increasing production of coal. In addition, coal from a number of collieries is being offered under the LSS. Under this scheme, coal is supplied without the requirement of linkages/sponsorships.

Demand for Coal from Power Sector

3046. SHRI SURESH P^ CHOURI: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the present demand for coal received from the power sector alone;

(b) whether the demand is projected to rise to 350 million tonnes by the end of the Ninth Five Year Plan; and

(c) if so, how Government propose to meet this demand for coal of the power secter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRIMATI KANTI SINGH): (a) The demand for coal for the power sector as assessed by the Planning Commission for the current year i.e. 1997-98 is 210 million tonnes (including washery middlings).

(b) The Working Group of the Ministry of Coal has assessed the coal demand of power sector for the terminal year of 9th Plan (i.e. 2001-2002) at 260.30 million tonnes (including washery middlings). The demand will however be finalised by the Planning Commission after discussions with Ministry of Coal, Ministry of Power and Ministry of Railways.

(c) The Working Group has assessed that this demand would be met by increasing coal production from CIL and SCCL by 58 million tonnes and by increasing coal production from captive mines by 13.40 million tonnes from the levels of productions attained in 1996-97.

कोयला कंपनियों पर बकाया राशि

3047. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) 31 मार्च, 1997 तक सभी कोयला कंपनियों पर विभिन्न मदों के अंतर्गत कुल कितनी धनराशि बकाया है;

(ख) क्या विगत कुछ वर्षों से भारतीय कोयला कंपनियों द्वारा घाटा दिखाया जा रहा है;

(ग) क्या पूरे देश में कोयला खदानों में बहुत बड़ी संख्या में श्रमिकों का शोषण किया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार द्वारा समय-समय पर कोयला श्रमिकों के कल्याण, उनके संरक्षण तथा उनके अधिकारों की संरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए कोयला कंपनियों के कार्यकरण की समीक्षा की गई है;

(च) यदि हां, तो इसके क्या निष्कर्ष निकले हैं; और

(छ) सरकार द्वारा श्रमिकों के अधिकारों की संरक्षा के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कांति सिंह): (क) 31.3.1996 की स्थिति के अनुसार विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत कोल इंडिया लि॰ तथा उसकी सहायक कंपनियों तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि॰ की ओर कुल देय बकाया राशि का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है:-

(करोड़ रु॰ में)

कोल इंडिया लि॰ तथा सहायक कंपनियां	
(1) सरकारी ऋण	3737.83
(2) उक्त पर ब्याज तथा केवल ब्याज	59.82
(3) अंतर-निगमित ऋण	102.82
(4) आवधिक ऋण (वित्तीय ब्याज एवं बैंक)	99.27
(5) बांड्स	1100.00
(6) अन्य	1057.62
सिंकों॰ कं॰ लि॰	
(1) सरकारी ऋण	1147.706
(2) उक्त पर ब्याज	478.271
(3) बैंक से	71.336
(4) वित्तीय संस्थान से	12.857
(5) कैनफिन होल लि॰ से	9.594

(ख) पूर्ववर्ती तीन वर्षों में कोल इंडिया लि॰ (को.इं.लि.), इसकी सहायक कंपनियां तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि. में हुए लाभ तथा हानि का

ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है:-

लाभ/हानि (आंकड़े करोड़ रु में)
(सी पी आर ए के बाद)

कंपनी	1993-94	1994-95	1995-96
ई.को.लि.	-70.40	-108.47	154.67
भा. को.को. लि.	21.56	-154.63	102.26
ना.को. लि.	225.23	190.80	179.47
वे.को. लि.	31.59	71.57	98.59
सा.ई.को. लि.	139.84	91.78	76.96
म.को. लि.	21.27	68.01	24.75
ना. ई. को./को.इं. लि.	-33.47	-13.14	-27.70
के.खा.आ.डि.सं. लि.	2.64	2.77	3.37
समग्र को. इं. लि.	400.32	29.73	611.44
सिं. को. कं. लि.	16.26	24.99	-190.80

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न के भाग (ग) के उत्तर को दृष्टिगत करते हुए प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ङ) से (च) कोयला कामगारों की शिकायतों को दूर करने के लिए नियमित रूप से कल्याणकारी उपाय किए जा रहे हैं। उपायों की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है। कामगारों को निम्नलिखित कल्याण संबंधी सुविधाएं दी गई हैं:-

(I) आवासीय सुविधाएं

(II) चिकित्सा सुविधाएं

(III) एल. एल. टी. सी./जीवन बीमा/गृह यात्रा सुविधाएं।

(IV) शैक्षिक सुविधाएं, कामगारों के बच्चों को विद्यालय तथा परिवहन की सुविधाएं प्रदान करना।

(V) गृह निर्माण ऋण सुविधाएं।

(VI) होलिडे होम सुविधा।

(छ) कामगारों के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी प्रकार के प्रयास किए जाते हैं। उक्त को दृष्टिगत करते हुए निम्नलिखित सामाजिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं:-

(I) जीवन बीमा योजना।

(II) कामगार मुआवजा सुविधाएं।

(III) आश्रितों को रोजगार दिए जाने का प्रावधान।

(IV) पेंशन।

Non-availability of sufficient domestic coal for steel plants

3048. SHRI MUKESH R. PATEL:
SHRI SANJAY NIRUPAM:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether Government are not able to meet the demand of coal ordered by Steel Authority of India;

(b) whether it is a fact that due to non-availability of sufficient quantity of coal SAIL is compelled to import extra coal from Australia and Newzealand;

(c) whether CCL is planning to set-up any coal washing plant to produce quality coal;

(d) if so, the action taken in this regard; and

(e) if not, the difficulties which the CCL is facing in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRIMATI KANTI SINGH): (a) and (b) Yes, Sir. Due to inadequate availability of metallurgical coking coal, the total requirement of the intergrated steel plants of Steel Authority of India (SAIL) could not be met by Coal India Limited and is supplemented by import of coking coal. Import of coking coal is also required for blending with indigenous coal on quality consideration.

(c) to (e) A coking coal washery at Kedla (CCL) of 2.6 million tonnes per annum raw coal input capacity is under commissioning and has started despatch of some washed coking coal to steel plants. In non-coking coal sector, one washery for washing 6.5 million tonnes per annum at Piparwar has also been recently commissioned to produce non-coking coal of consistent quality.

Complaints of irregularities in WCL

3049. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether Government had received complaints regarding serious irregularities and manipulations in marketing of coal to various industrial units/power plants in Maharashtra against Western Coalfields Limited during the recent past;